रास करते श्रीकृष्ण की मनमोहक झांकी ने मोहा सभी का मन

- शांतिवन में सजा श्रीकृष्ण का दरबार, गोप-गोपियों संग नटखट बाल गोपाल की सजाई सुंदर झांकी

- देशभर से आए भाई-बहनों ने लिया झांकी का लाभ

2 सितंबर, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के शांतिवन परिसर में रविवार को जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में सुंदर झांकी सजाई गई। इसमें श्रीकृष्ण के बाल रूप से लेकर राजतिलक के दृश्य को बहुत ही खूबसूरती से दर्शाया गया। मुंबई से आए प्रोफेशनल कलाकारों ने अपने दमदार अभिनय और सुंदर प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। झांकी में श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं सभी के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। वहीं शेषनाग पर नृत्य करते श्रीकृष्ण को निहारने के लिए हर कोई उत्सुक था। श्रीकृष्ण के साथ उनकी पूरी बाल मंडली का रूप देखते ही बन रहा था। शाम को 7 बजे से शुरू हुई झांकी देखने के लिए रात 11 बजे तक दर्शकों का तांता लगा रहा। सभी दादियों और वरिष्ठ भाई-बहनों फीता काटकर झांकी का उद्घाटन किया।

इस दौरान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव भी मनाया गया। कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि आज के दिन सभी संकल्प लें कि हम अपना जीवन श्रीकृष्ण के समान बनाएंगे। श्रीकृष्ण का जीवन 16 कला संपूर्ण, संपूर्ण निर्विकारी था। उनका हर एक कर्म आदर्श और पथप्रदर्शक था। उनके हर कर्म में श्रेष्ठता थी। ऐसे हम सभी का भी लक्ष्य होना चाहिए। संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि सतयुग के प्रथम राजकुमार जैसा स्वयं को बनाने, उनके गुण धारण करना ही जीवन का लक्ष्य हो। इस मौके पर राजयोगिनी ईशु दादी, कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय, जनरल मैनेजर बीके मुन्नी बहन, मीडिया निदेशक बीके करुणा, शांतिवन के प्रबंधक बीके भूपाल भाई, मुख्य अभियंता बीके भरत सहित देशभर से आए 8 हजार से अधिक भाई-बहनें उपस्थित रहे।

फोटो- झांकी के आकर्षक रूप।
फोटो- रिबन काटकर झांकी का शुभारंभ करते दादियां व वरिष्ठ भाई-बहनें।